समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

कोलकाता मे बोलीं वित्त मंत्री : दुर्गा पूजा के साथ लॉन्च होगा नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी सिस्टम

Publisher

Published on 19 Sep 2025

भारत की अर्थव्यवस्था में जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) ने ऐतिहासिक सुधार लाए हैं। अब वित्त मंत्रालय इसे और प्रभावी बनाने की तैयारी में है। वित्त मंत्री ने कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में घोषणा की कि **नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी सिस्टम का रोलआउट दुर्गा पूजा के अवसर पर होगा**। इस घोषणा ने व्यापार जगत और करदाताओं दोनों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

दुर्गा पूजा का प्रतीकात्मक महत्व

वित्त मंत्री ने कहा कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक त्योहार नहीं बल्कि "नए आरंभ और शक्ति" का प्रतीक भी है। ऐसे समय में नए जीएसटी सिस्टम को लॉन्च करना भारत की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा और विश्वास का संदेश देगा। उन्होंने यह भी कहा कि सुधारों का लाभ छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स और सामान्य उपभोक्ताओं तक पहुँचना चाहिए।

नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी क्या है ?

नया जीएसटी सिस्टम मौजूदा ढांचे को और अधिक **डिजिटल, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-हितैषी** बनाएगा।
इसमें शामिल होंगे:

- **एआई-आधारित टैक्स ऑडिट सिस्टम**
- **रियल-टाइम इनवॉयस मैचिंग**
- **ई-इनवॉयसिंग का स्वचालित विस्तार**
- **फ्रॉड डिटेक्शन के लिए मशीन लर्निंग टूल्स**

- छोटे व्यापारियों के लिए **सरल रिटर्न फाइलिंग प्रक्रिया**

इस बदलाव से टैक्स चोरी पर लगाम लगेगी और राजस्व संग्रह में मजबूती आएगी।

व्यापार जगत की उम्मीदें

व्यापारिक संगठनों ने इस कदम का स्वागत किया है। उनका मानना है कि नए सिस्टम से जीएसटी की जटिलता कम होगी। विशेष रूप से एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) को इसका लाभ मिलेगा। वर्तमान समय में रिटर्न फाइलिंग और इनवॉयस मिलान जैसी प्रक्रियाओं में आने वाली दिक्कतें धीरे-धीरे समाप्त हो जाएँगी।

राज्यों की भूमिका

जीएसटी केंद्र और राज्यों का साझा टैक्स ढांचा है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस नए सिस्टम को लागू करने से पहले सभी राज्यों से सहमति ली गई है। कोलकाता में हुई इस बैठक में कई राज्यों के वित्त मंत्रियों और अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

करदाताओं के लिए क्या बदलेगा?

साधारण करदाताओं और छोटे व्यापारियों के लिए सबसे बड़ा बदलाव होगा **सिंगल-क्लिक टैक्स फाइलिंग सिस्टम**। इसमें मोबाइल एप और वेब पोर्टल के जरिए आसान फाइलिंग संभव होगी।

- जीएसटीएन पोर्टल अधिक तेज़ और सुरक्षित होगा।
- टैक्स रिफंड की प्रक्रिया स्वचालित हो जाएगी।
- व्यापारियों को दस्तावेज़ जमा करने में कम परेशानी होगी।

डिजिटल इंडिया और जीएसटी

भारत पहले से ही डिजिटल इंडिया मिशन पर तेजी से काम कर रहा है। जीएसटी का यह नया संस्करण उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। एआई और मशीन लर्निंग जैसे आधुनिक टूल्स से टैक्स सिस्टम पारदर्शी बनेगा और "फेसलेस गवर्नेंस" का लक्ष्य साकार होगा।

विशेषज्ञों की राय

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी से भारत की "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" रैंकिंग में सुधार होगा। विदेशी निवेशक भी एक स्थिर और सरल टैक्स ढांचा देखकर भारत में निवेश के लिए अधिक आकर्षित होंगे।

एक विशेषज्ञ ने कहा, *"[illegible]"*

चुनौतियाँ भी हैं

हालाँकि, नए जीएसटी सिस्टम को लागू करना आसान नहीं होगा।

- छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी।
- नेटवर्क और सर्वर क्षमता बढ़ाने की ज़रूरत।
- व्यापारियों को नए सिस्टम के लिए प्रशिक्षित करना।

सरकार का कहना है कि इस दिशा में विशेष **अवेयरनेस कैंपेन और ट्रेनिंग प्रोग्राम** शुरू किए जाएँगे।

दुर्गा पूजा और नए बदलाव की शुरुआत

दुर्गा पूजा का समय बंगाल और पूरे पूर्वी भारत में विशेष महत्व रखता है। वित्त मंत्री का कोलकाता से यह घोषणा करना केवल

प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि सांस्कृतिक संदेश भी है। यह बताता है कि सरकार परंपरा और आधुनिकता दोनों को साथ लेकर चलना चाहती है।

भारत की टैक्स व्यवस्था में जीएसटी पहले ही बड़ा बदलाव साबित हो चुका है। अब इसका नेक्स्ट-जनरेशन संस्करण इसे और अधिक सरल, डिजिटल और पारदर्शी बनाएगा। दुर्गा पूजा के साथ लॉन्च किया जाना न केवल एक प्रशासनिक निर्णय है बल्कि एक "नए आरंभ" का प्रतीक भी है। व्यापार जगत, उपभोक्ता और निवेशक—तीनों ही इस कदम से लाभान्वित होंगे।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.